Ladakh Voices for Constitutional safeguards
संवैधानिक सुरक्षा के लिये लदाखी आवाज

Ashish Kothari
□शीष कोठारी

In the last week of April, I was in Leh to express solidarity with the ongoing movement for Constitutional safeguards (statehood, 6th Schedule) and other demands relating to protecting the environment, culture, livelihoods, and identity of Ladakhis. I visited the protest site, where the 21-day 'climate fast' by Sonam Wangchuk and Subedar Stanba has been followed by relay 10-day fasts by youth, women, Buddhist monks, and religious minorities. I interviewed a cross-section of people about why they are in the movement, what are the key issues for them, and what the future of the movement is. Here are short descriptions of, and links to, the interviews; and a clip of multi-religious prayers at the site.
□प्रैल के □ंतिम सप्ताह में, मैं लदाख के संवैधानिक सुरक्षा उपायों (राज्य, छठी □नुसूची) के लिए चल रहे आंदोलन और पर्यावरण, संस्कृति, आजीविका और लद्दाखियों की पहचान की रक्षा से संबंधित □न्य मांगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए लेह में था। मैंने विरोध स्थल का दौरा किया, जहां सोनम वांगचुक और सूबेदार स्टेनबा द्वारा 21-दिवसीय 'जलवायु उपवास' के बाद युवाओं, महिलाओं, बौद्ध भिक्षुओं और धार्मिक □ल्पसंख्यकों द्वारा एक के बाद एक 10-दिवसीय उपवास किये गये हैं। मैंने □लग-□लग वर्ग के लोगों का साक्षात्कार किया कि वे आंदोलन में क्यों हैं, उनके लिए प्रमुख मुद्दे क्या हैं, और आंदोलन का भविष्य क्या है। यहां साक्षात्कार के संक्षिप्त विवरण और लिंक दिए गए हैं; और विरोध स्थल पर बहु-धार्मिक प्रार्थनाओं की एक झलक।

1. **Thukjay Dolma & Sonam Spalzes on Ladakh movement / थुकजे डोलमा व सोनम स्पाल्जेस लद्दाख के आंदोलन पर**

https://youtu.be/kHy6c1rtexU
Thukjay Dolma, singer and activist working at SECMOL, and Sonam Spalzes ('only a housewife', but clearly much more!), speak about why they are in the movement demanding Constitutional safeguards (6th Schedule, statehood) for Ladakh. Why they join as women, why they are doing this for Ladakh's youth. Interview by Ashish Kothari, Leh, 28.4.2024
सेकमोल में काम करने वाली गायिका और कार्यकर्ता थुकजे डोलमा, और सोनम स्पाल्जेस ('केवल एक गृहिणी', लेकिन इससे भी कहीं □धिक!), लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों (छठी □नुसूची, राज्य) की मांग को लेकर आंदोलन में क्यों हैं, इस बारे में बात करते हैं. वे महिलाओं के रूप में क्यों शामिल होती हैं, वे लद्दाख के युवाओं के लिए ऐसा क्यों कर रही हैं। □शीष कोठारी द्वारा लेह मे साक्षात्कार, 28.4.2024

2. **Kaniz Fatima/Shaziya Bano-youth in Ladakh movement कनीज़ फ़ातिमा/शाज़िया बानो लद्दाख संघर्ष मे युवा**

https://youtu.be/Wi4h3Nx62xM

Students Kaniz Fatima and Shaziya Bano talk about the importance of getting Constitutional safeguards (6th Schedule for tribal areas, and statehood) for Ladakh, to secure the future of youth, who are currently facing huge unemployment and other challenges. Interview by Ashish Kothari in Leh, 28.4.2024. छात्र कनीज़ फ़ातिमा और शाज़िया बानो लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों (आदिवासी क्षेत्रों के लिए छठी ☒ नुसूची और राज्य का दर्जा) प्राप्त करने के महत्व के बारे में बात करती हैं, ताकि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके, जो वर्तमान में भारी बेरोजगारी और ☒ न्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। लेह में ☒ शीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 28.4.2024

3. **Ashraf Ali Barcha, Shia community, on Ladakh movement / ☒ शरफ ☒ ली बरचा, शिया समुदाय, लद्दाख आंदोलन पर**

https://youtu.be/YZWn0cPcNek

Ashraf Ali Barcha, President of Shia community and Anjuman Imamia - Leh, on why he and his community have been part of the Ladakh movement for Constitutional safeguards (6th Schedule for tribal areas, statehood), the importance of religious unity, and future of the movement. Interview by Ashish Kothari in Leh, 28.4.2024 शिया समुदाय और ☒ंजुमन इमामिया - लेह के ☒ ध्यक्ष ☒ शरफ ☒ ली बरचा ने बताया कि क्यों वह और उनका समुदाय संवैधानिक सुरक्षा उपायों (आदिवासी क्षेत्रों के लिए छठी ☒ नुसूची, व राज्य का दर्जा) के लिए लद्दाख आंदोलन का हिस्सा रहे हैं, धार्मिक एकता का महत्व और आंदोलन का भविष्य। लेह में ☒ शीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 28.4.2024

4. **Chhering Dorjey, Leh Apex Body -Ladakh movement / छेरिंग दोरजे, लेह एपेक्स बॉडी- लद्दाख आंदोलन पर**

https://youtu.be/tWbLeegdtZU

Chhering Dorjey Lakruk, member of the Leh Apex Body and a prominent figure in the ongoing movement for granting Ladakh the Constitutional status of Schedule 6 and statehood, talks of the reasons for the movement, its current status, and what lies ahead. Environment, livelihoods, identity, against the threats of external economic and cultural imposition, are at the centre of the motivations for the movement. Interview by Ashish Kothari at protest site in Leh, 24.4.2024

लेह एपेक्स बॉडी के सदस्य और लद्दाख को ☒ नुसूची 6 का संवैधानिक दर्जा और राज्य का दर्जा देने के लिए चल रहे आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति, छेरिंग दोरजे लक्रुक, आंदोलन के कारणों, इसकी वर्तमान स्थिति और आगे क्या है, की बात करते हैं। बाहरी आर्थिक और सांस्कृतिक थोपने के खतरों के खिलाफ पर्यावरण, आजीविका, पहचान, आंदोलन के लिए प्रेरणा के केंद्र में हैं। लेह में विरोध स्थल पर ☒ शीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 24.4.2024

5. **87-year old Yangchen Dolma - Ladakh democracy movement यान्गचेन दोल्मा लदाख लोकतन्त्र आंदोलन मे**

https://youtu.be/FRuBXCSnWq4

She has been part of Ladakhi movements since she was 18 - for scheduled tribe status, for union territory status, and now for Constitutional safeguards to protect its culture, identity, environment and livelihoods. 87-year old Yangchen Dolma - known widely as Ama Chocho - speaks to Ashish Kothari about why this recent movement is important, why women are part of it, and how they will continue agitating till their demands are met. She speaks in Ladakhi, translated into Hindi. वह 18 साल की उम्र से ही लद्दाखी आंदोलनों का हिस्सा रही हैं – ☒ नुसूचित जनजाति का दर्जा पाने के लिए, केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा पाने के लिए, और ☒ ब ☒ पनी संस्कृति, पहचान, पर्यावरण और आजीविका की रक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए। 87 वर्षीय यांगचेन डोलमा – जिन्हें ☒ मा चोचो के नाम से जाना जाता है – ☒ शीष कोठारी से बात करते हैं कि यह हालिया आंदोलन क्यों महत्वपूर्ण है, महिलाएं इसका हिस्सा क्यों हैं, और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे आंदोलन कैसे जारी रखेंगी। वह लद्दाखी में बोलती हैं, हिंदी में ☒ नुवादित हैं।

6. **Mehdi Shah: why Ladakhi youth are in Ladakh movement /मेहदी शाह, लद्दाख आंदोलन मे युवा क्यों है**

https://www.youtube.com/watch?v=iGb3EfjO2AM

Conversation of Ashish Kothari with Mehdi Shah, a young resident of Turtuk on the India-Pakistan border, at the site of Ladakhi citizens' movement demanding Constitutional safeguards for the region. Mehdi explains why these demands are being made, and why youth are joining it in large numbers. Leh, 22.4.2024 आशीष कोठारी की चर्चा, भारत-पाकिस्तान सीमा पर तुरतुक ग्राम के एक युवा निवासी मेहदी शाह के साथ, लद्दाखी नागरिकों के आंदोलन स्थल पर, क्षेत्र के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग क्यों की जा रही हैं, और युवा बड़ी संख्या में इसमें क्यों शामिल हो रहे हैं। लेह, 22.4.2024

7. **Subedar Stanba on why he fasted for 21 days for Ladakh / सूबेदार स्टानबा लद्दाख आंदोलन मे क्यों जुडे**

https://youtu.be/zoBkTt63-ds

Subedar Stanba of Gya village, joined the Ladakh agitation for Constitutional safeguards within a month of retiring from the army. Having been stationed on the India-China (occupied Tibet), he is well aware of Ladakh's crucial strategic importance. He accompanied Sonam Wangchuk on the 21-day Climate Fast and continues to show his presence at the protest site in Leh. Interview by Ashish Kothari in Leh, 28.4.2024. गया गांव के सूबेदार स्टानबा सेना से सेवानिवृत्त होने के एक महीने के भीतर संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए लद्दाख आंदोलन में शामिल हो गए। भारत-चीन (अधिकृत तिब्बत) पर तैनात होने के कारण, वह लद्दाख के महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह 21 दिन के क्लाइमेट फास्ट पर सोनम वांगचुक के साथ थे और लेह में विरोध स्थल पर अपनी उपस्थिति दिखाना जारी रखे हुए हैं। लेह में आशीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 28.4.2024।

8. **Akhtar Ali as a youth in Ladakh movement युवा भविष्य के लिये ☒ ख्तर ☒ ली लद्दाख के आंदोलन में**

https://youtu.be/Mv-xnhy0nLs

Akhtar Ali, youth from Chushot, talks about why he has been participating in Ladakh's movement for Constitutional safeguards (statehood, 6th Schedule for Tribal areas), and why this is crucial for the region's youth. Interview by Ashish Kothari in Leh, 28.4.2024. चुशोत के युवा ☒ ख्तर ☒ ली बताते हैं कि वे संवैधानिक सुरक्षा उपायों (राज्य, आदिवासी क्षेत्रों के लिए छठी ☒ नुसूची) के लिए लद्दाख के आंदोलन में क्यों भाग ले रहे हैं, और यह क्षेत्र के युवाओं के लिए क्यों महत्वपूर्ण है। लेह में ☒ शीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 28.4.2024।

9. **Karma Sonam-safeguards for Ladakh wildlife कर्मा सोनम- संवैधानिक सुरक्षा लद्दाख वन्यजीव के लिए जरूरी**

https://youtu.be/ULqFQXr65G0

Karma Sonam, Rumtse village resident and conservationist at Nature Conservation Foundation, explains why Constitutional safeguards (6th Schedule for tribal areas, and statehood) are important to protect Ladakh's wildlife from over tourism and 'development' project threats. Interview by Ashish Kothari in Leh, 29.4.2024.

रुम्त्से गांव की निवासी और नेचर कंज़र्वेशन फाउंडेशन की संरक्षणवादी, कर्मा सोनम बताती हैं कि क्यों संवैधानिक सुरक्षा उपाय (आदिवासी क्षेत्रों और राज्य के लिए छठी ☒ नुसूची) लद्दाख के वन्यजीवों को पर्यटन और 'विकास' परियोजना के खतरों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेह में आशीष कोठारी द्वारा साक्षात्कार, 29.4.2024।

10. Tsewang Namgail on why Ladakh movement is important for its unique wildlife
https://youtu.be/l-qf78vo0jg
Tsewang Namgail, Director, Snow Leopard Conservancy - India Trust, on why Ladakh movement is important for its unique wildlife. From butterflies and plants to the Snow leopard, this wildlife is crucial for human survival itself; but also in its own right, as taught by Buddhist ethics. Inappropriate 'development' including unregulated tourism threatens it, and Constitutional safeguards (statehood, 6th Schedule for Tribal areas) could provide a chance to take a more locally appropriate path of well-being.

11. Buddhist & Muslim prayers at Ladakh protest site लद्दाख विरोध स्थल पर बौद्ध पूजा और मुस्लिम नमाज
https://youtu.be/vtXZZyLj8uc
The Ladakh movement has cut across religions, uniting Kargil and Leh districts, bringing together people of various ages, genders, and faiths. A glimpse of this microcosm of the best of India's 'unity in diversity' at the protest site in Leh, 28.4.2024.
लद्दाख आंदोलन ने धर्मों को काट दिया है, कारगिल और लेह जिलों को एकजुट किया है, विभिन्न उम्र, लिंग और धर्मों के लोगों को एक साथ लाया है। लेह में विरोध स्थल पर भारत की सर्वश्रेष्ठ 'विविधता में एकता' के इस सूक्ष्म जगत की एक झलक, 28.4.2024।